सारो जगत छोड र आवियो बाबाजी हूं तो थां रै द्वार

सारो जगत छोड र आवियो,
बाबाजी हूं तो, थां रै द्वार,
हारया रा साथी, साथ निभा दे रे,
दुखियारो द्वारै हिवड़ै ळगा ळे रे।bd।

तर्ज – सुपणो जगायी आधी रात।

काळजड़ो तो म्हां रो, घणो दु:ख पावै,
याद करूं तो नैणां भर-भर आवे,
घर का नै टोया, टोया गांव का
कोई ना दियो रे म्हां रो साथ
दीनों रा दाता हाथ बढ़ा दे रे
दुखियारो द्वारै हिवड़ै लगा ले रे ।bd।(१)।bd।

काळी-काळी बदळी आ सिर पै गरजै,
चिमकै बिजुरिया तो हियो म्हां रो धड़कै।
बाट उडिकै टाबर एऽकळो
छायी अंधियारी काळी रात
भगतां रा भीड़ी, भीड़ डटा दे रे
दुखियारो द्वारै हिवड़ै लगा ले रे ।bd।(२)।bd।

भणक पड़ी जद काणां प्रभु कै,
द्वारै खड्यो ळीळो घोड़ो धड़ूकै।
हांक रिया ळीळो घोड़ळियो
मोर छड़ी लियां हाथ
म्हां रो बाबुळ म्हां स्यूं मिळबा नै आयो छै
भगतां रो भीड़ी मिळबा नै आयो छै ।bd।(३)।bd।

दीण-दु :खी नै बाबो हिवड़ै ळगाकै,
मत घबरावै बोळ्यो धीर बंधाकै।
हाथ फिरावै सिर पर सांवरो
लीणहों रे काळजड़ै ळगाय
म्हां रो बाबो म्हां रो माण बढायो छै
म्हां रो बाबो आ कै लाड लडायो छै ।bd।(४)।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सारो जगत छोड र आवियो,
बाबाजी हूं तो, थां रै द्वार,
हारया रा साथी, साथ निभा दे रे,
दुखियारो द्वारै हिवड़ै ळगा ळे रे।bd।

स्वर – संजू शर्मा जी।
प्रेषक – विवेक अग्रवाळ जी।
9038288815

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com